राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर समर्पण ट्रस्ट एवं विशुद्धानंद हॉस्पिटल ने चिकित्सकों का किया भव्य अभिनंदन

डॉ. बिधानचंद्र राय की जयंती पर सेवा, संवेदना, समर्पण और चिकित्सा धर्म के आदर्शों को किया गया नमन

कोलकाता, 1 जुलाई।

"चिकित्सक केवल रोगों का उपचार नहीं करते, बल्कि वे समाज में आशा, विश्वास और जीवन का संचार करते हैं।" इसी भावना को आत्मसात करते हुए समर्पण ट्रस्ट एवं विशुद्धानंद हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में भारत के महान चिकित्सक, शिक्षाविद् एवं पश्चिम बंगाल के द्वितीय मुख्यमंत्री भारत रत्न डॉ. बिधानचंद्र राय की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस-2026 का गरिमामय आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चिकित्सा जगत में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. गुमान सिंह पिपारा, डॉ. निर्मला पिपारा, डॉ. सिद्धार्थ दास तथा डॉ. गोविंद राजगढ़िया को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल चार चिकित्सकों का नहीं, बल्कि संपूर्ण चिकित्सक समुदाय के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक था।

कार्यक्रम का शुभारंभ संत विशुद्धानंद एवं भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण, वंदे मातरम् के सामूहिक गायन तथा तुलसी जलार्पण के साथ अत्यंत श्रद्धामय वातावरण में हुआ।

समर्पण ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री निरंजन अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह दिन भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र राय की पुण्य स्मृति को नमन करने का दिन है–एक ऐसे चिकित्सक, जिन्होंने चिकित्सा को केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे राष्ट्रनिर्माण और मानव सेवा का महान माध्यम बनाया। उनका सम्पूर्ण जीवन हमें यह संदेश देता है कि सेवा, संवेदना और समर्पण ही चिकित्सा का वास्तविक स्वरूप है।

भारतीय संस्कृति में कहा गया है–"वैद्यो नारायणो हरिः" अर्थात् चिकित्सक स्वयं भगवान नारायण का स्वरूप है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के कठिन समय में सम्पूर्ण विश्व ने देखा कि जब सब अपने घरों में सुरक्षित थे, तब हमारे डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी अपने परिवारों से दूर रहकर मानवता की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भी सेवा का धर्म निभाया। उनका यह त्याग सदैव राष्ट्र की स्मृतियों में अमर रहेगा।

समर्पण ट्रस्ट का सदैव यह विश्वास रहा है कि समाज के उन व्यक्तित्वों का सम्मान होना चाहिए, जिन्होंने अपने कर्म से समाज को दिशा दी है। इसी भावना के साथ आज हम चार ऐसे विशिष्ट चिकित्सकों का सम्मान करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं, जिन्होंने चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान और मानवीय सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर चिकित्सा जगत को गौरवान्वित किया है। आज हम सम्मानित कर रहे हैं–डॉ. गुमान सिंह पिपारा,डॉ. निर्मला पिपारा,डॉ. सिद्धार्थ दास,डॉ. गोविंद राजगढ़िया। इन सभी विभूतियों ने अपने ज्ञान, अनुभव, संवेदनशीलता और सेवा-भाव से हजारों-लाखों लोगों के जीवन में स्वास्थ्य, विश्वास और नई आशा का संचार किया है। इनके सम्मान के माध्यम से हम केवल चार चिकित्सकों का अभिनंदन नहीं कर रहे, बल्कि सम्पूर्ण चिकित्सा समुदाय के प्रति अपनी सामूहिक कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

समर्पण ट्रस्ट के महासचिव श्री प्रदीप ढेडिया ने अपने संबोधन में कहा कि समर्पण ट्रस्ट वर्षभर समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाले अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सेवा-प्रधान कार्यक्रमों का आयोजन करता है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों का सम्मान उसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि समाज का स्वस्थ रहना ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है और इस पूंजी की रक्षा का दायित्व चिकित्सक निभाते हैं। इसलिए उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संयोगवश आज चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे भी है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सीए बंधुओं को शुभकामनाएं देते हुए घोषणा की कि समर्पण ट्रस्ट शीघ्र ही नवोदित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का भी सार्वजनिक सम्मान करेगा, जिससे युवाओं को उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा मिल सके।

विशुद्धानंद हॉस्पिटल के सचिव श्री सुरेंद्र अग्रवाल ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा का वास्तविक उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उपचार पहुंचाना है। उन्होंने विशुद्धानंद हॉस्पिटल की विभिन्न सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि अस्पताल अत्यंत न्यूनतम व्यय में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि महानगर कोलकाता में विशुद्धानंद हॉस्पिटल संभवतः ऐसा एकमात्र अस्पताल है जहां मरीजों से वेंटिलेटर सुविधा का कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता। यह अस्पताल की मानवीय सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अक्षय बिंजराजका ने डॉ. बिधानचंद्र राय के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि कल्याणी नगर की स्थापना उनके दूरदर्शी चिंतन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनका जीवन चिकित्सा, शिक्षा और जनसेवा के आदर्शों का अनुपम संगम था। श्री बिंजराजका ने डा, नीलरतन सरकार और डा. विधानचंद्र राय के बीच कल्याणी को लेकर हुए संवादों का भी जिक्र किया।

सम्मानित चिकित्सकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और चिकित्सा सेवा के विभिन्न आयामों पर प्रेरक विचार रखे।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गुमान सिंह पिपारा ने कहा कि वे अपनी धर्मपत्नी डॉ. निर्मला पिपारा के साथ लगभग चार दशकों से विशुद्धानंद हॉस्पिटल में सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा का आधार केवल आर्थिक लाभ नहीं

होना चाहिए, बल्कि रोगी का विश्वास होना चाहिए। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि "यदि कोई रोगी यह कह दे कि डॉक्टर साहब, आपने इलाज करके मुझे लूट लिया, तो उसी दिन मैं अपनी डॉक्टरी छोड़ दूंगा।" उनके इस वक्तव्य पर पूरा सभागार देर तक तालियों से गूंजता रहा।

प्रख्यात त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ दास ने अपने गुरुजनों, सहकर्मियों और मरीजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि एक चिकित्सक की सफलता केवल उसकी डिग्री से नहीं, बल्कि उसके रोगियों के विश्वास से तय होती है। उन्होंने बताया कि अब तक वे पांच हजार से अधिक युवतियों के सफेद दाग (विटिलिगो) का सफल शल्य उपचार कर उन्हें नया आत्मविश्वास और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी मरीज के चेहरे पर मुस्कान लौटती है, वही चिकित्सक के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होता है।

डॉ. गोविंद राजगढ़िया ने कहा कि वे अपने परिवार के प्रथम चिकित्सक हैं और इस बात का उन्हें विशेष संतोष है। उन्होंने बताया कि उनके अनेक संपन्न मरीज स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग देते हैं, जिसके माध्यम से वे निर्धन एवं जरूरतमंद मरीजों का उपचार कराने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा तभी सार्थक है जब उसमें संवेदनशीलता, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश हो। यदि चिकित्सक नैतिक मूल्यों के साथ कार्य करें तो सम्मान, प्रतिष्ठा और सफलता स्वतः उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है।

इस अवसर पर सम्मानित चिकित्सकों ने युवा डॉक्टरों से भी आग्रह किया कि वे चिकित्सा को केवल करियर नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का मिशन मानें और अपने ज्ञान का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में करें।

कार्यक्रम का प्रभावी, गरिमामय एवं सुसंस्कृत संचालन श्री महावीर प्रसाद रावत ने किया। अंत में समर्पण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री अभिषेक शरद ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, समाजसेवियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा उपस्थित जनसमुदाय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, संवेदना और कृतज्ञता की संस्कृति को सशक्त बनाते हैं।

इस आयोजन का मीडिया पार्टनर लोकप्रिय हिन्दी दैनिक 'युवा शक्ति' रहा, जबकि कार्यक्रम का सफल, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक प्रबंधन आनंद इवेंट्स द्वारा किया गया।

समारोह का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि चिकित्सकों के प्रति सम्मान, विश्वास और कृतज्ञता की यह परंपरा निरंतर आगे बढ़ेगी तथा समाज और चिकित्सा जगत के बीच मानवीय संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का यह आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के आदर्शों का एक प्रेरक उत्सव बनकर उपस्थित सभी लोगों की स्मृतियों में लंबे समय तक अंकित रहेगा।